

बादीमन ने इस प्रकार बाद को पालन प्रारंभ
 किया जो कि नही है जो कि बादीमन को
 मान ली है कि (बादीमन राजा के रिवाज
 के अनुसार ही ही है) के कारण बादीमन
 का बाद राजा को मान्य नहीं है। अब बादीमन
 का बाद बिना बिना, अवेधानिक एवं सादीन के
 के कारण अवेधानिक सिद्ध जाता है। परन्तु
 सिद्धि जाती है। उक्त के बाद युवा
 युवा नव (के बाद) अवेधानिक सिद्ध
 उक्त के बाद मान्य है। निर्णय राजा के
 को अमान्य मान्य नहीं मानेगा के मान्य
 के कारण सिद्धि जायत युवा नव

Handwritten signature
 सहायक कलेक्टर
 बीजा

